दृष्टि The Vision

हिन्दी साहित्य

(Hindi Literature)

टेस्ट–5

(प्रश्न पत्र-I)

DTVF / OPT-23 **HL-2305**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time Allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks* : 250

नाम (Name): Sandeep

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ | नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 20/7/23

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2023] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2023]:

6	3	1	2	8	1	9

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answer must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained): ____________ टिप्पणी (Remarks): ____________

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: 10 × 5 = 50

(क) हिन्दी भाषा का क्षेत्र

हिन्दी भाषा पूरे देश में 10 राज्यों में राजभाषा के रूप में प्रयोग हो रही है। इस क्षेत्र को तीन भागों में बांटा जाता है।

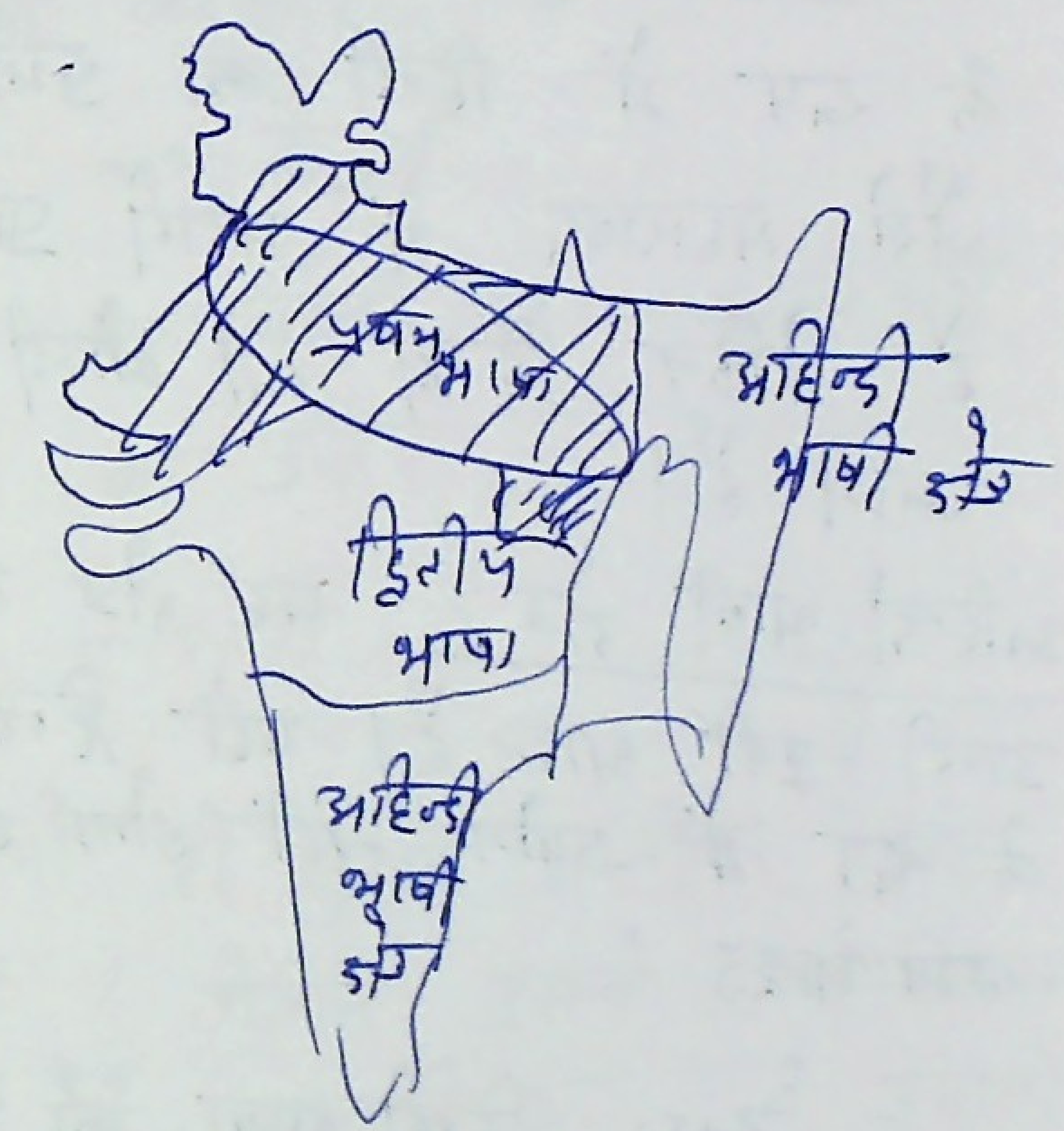

प्रथम भाषा :- यह क्षेत्र यह क्षेत्र है जहां हिन्दी भाषा प्रथम भाषा के रूप में प्रयोग हो रही है जैसे राजस्थान, हरियाणा,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दिल्ली, हिमाचलप्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश एवं बिहार राज्य है।

द्वितीय भाषा : यह वह क्षेत्र है जहाँ प्राथमिक भाषा के रूप में अन्य भाषा का प्रयोग हो रहा है। द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग होता है जैसे महाराष्ट्र में मराठी प्राथमिक भाषा है लेकिन हिन्दी भी बोली एवं समझी जाती है।

अहिन्दी भाषी क्षेत्र : यह क्षेत्र दक्षिणी एवं उत्तरी-पूर्वी भारत है। यहाँ हिन्दी का भाषा के रूप में प्रयोग नहीं होता है जैसे- तमिलनाडु

अत: हिन्दी भाषा को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 72% जनसंख्या द्वारा प्रथम (42%) एवं द्वितीय (30%) भाषा के रूप में प्रयोग किया जाता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) देवनागरी लिपि के सुधार के प्रयासों में 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' का योगदान

काशी ~~प्रच~~ प्रचारिणी सभा ने देवनागरी लिपि के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये।

जैसे :

1. मात्राओं ~~को~~ को दाहिने तरफ अलग से प्रयोग करना।

   कुल → क ु ल

2. महाप्राण के स्थान पर अल्पप्राण ध्वनियों का प्रयोग

   ख → ग

दोनों ही सुझाव अस्वीकार कर दिये गये हैं लेकिन इसने ~~हिन्दी भाषा~~ ~~के~~ देवनागरी के मानकीकरण के प्रयासों को गति दी है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) हिन्दी भाषा का मानकीकरण और आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी भाषा के मानकीकरण से आशय हिन्दी परिनिष्ठित, व्याकरसम्मत, सार्वभौमिक मान्य स्वरूप की स्वीकार्यता।

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका के माध्यम से हिन्दी भाषा को मानकता प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया :-

(1) इन्होंने भाषा के द्वैध को खत्म किया। गद्य एवं पद्य को हिन्दी खड़ी बोली हिन्दी को बढ़ावा।

(2) इस्नै, उस्नै जैसे शब्दों को भाषा से हटाने का प्रयास किया है।

(3) भाषा की व्याकरण के निर्धारण में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

(4) पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग के निर्धारण

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में प्रचलन को आधार बनाया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) भाषा और बोली में अंतर

बोली का क्रमिक विकास भाषा है। सर्वप्रथम किसी क्षेत्र की स्थानीय भाषा बोली का रूप धारण करती है फिर भाषा का।

भाषा	बोली
→ इसका क्षेत्र व्यापक होता है	→ स्थानीय रूप से बोली जाती है एक क्षेत्र विशेष से संबंध जैसे -अवधी
→ भाषा बोली का क्रमिक विकास है जैसे खड़ी बोली हिंदी	→ बोली ~~[illegible]~~ स्थानीय स्तर
→ व्याकरण स्पष्ट होता है	→ व्याकरण की स्पष्टता का अभाव

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ इसमें पारिभाषिक शब्दावली का विकास होता है	→ ऐसा नहीं है
→ इसकी लिपि स्पष्ट होती है	→ ऐसा नहीं है
→ इसमें कई बोलियाँ होती हैं	→ ऐसा नहीं है

बोली ⟹ भाषा → 20वीं सदी → छायावाद

उदा.: खड़ी बोली हिन्दी → 19वीं सदी

व्याकरण, स्पष्ट शब्दावली, साहित्य

अतः भाषा का विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है इसे हम खड़ी बोली हिन्दी के विकास से देख सकते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ङ) 'हरियाणी' बोली

हरियाणी बोली गुरुग्राम, पानीपत एवं कुरुक्षेत्र में बोली जाती है।

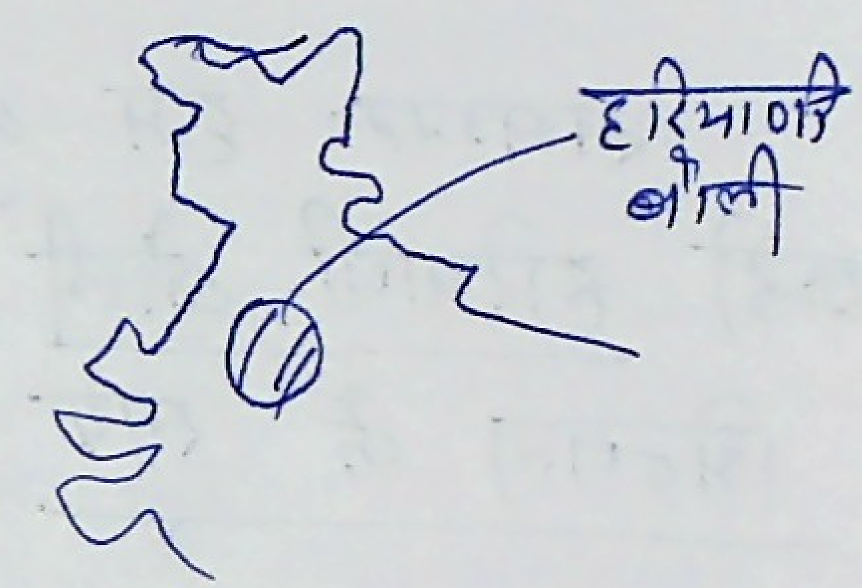

हरियाणी बोली की विशेषता :

① इसमें न के स्थान पर ण का प्रयोग

कौन → कोण

② ओ के स्थान उ का प्रयोग

③ शब्दों के उच्चारण में भिन्नता

स्कूल → इस्कूल

④ महाप्राण शब्दों पर अधिक बल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उदाहरण - घ एवं स शब्दों पर।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि हरियाणी बोली अपनी क्षेत्रीय भिन्नता के साथ होती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (क) अपभ्रंश की व्याकरणिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (क) देवनागरी लिपि को वैज्ञानिक लिपि कहने के औचित्य पर विचार कीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देवनागरी लिपि सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपियों में से एक है। यह लिपि क्रमिक विकास से विकसित हुई है।

देवनागरी लिपि को वैज्ञानिक लिपि :-

① इसमें प्रत्येक उच्चारण के अनुसार शब्द का क्रम निर्धारित किया जाता है।
जैसे — क वर्ग - कंठ से

② इसमें स्वर एवं व्यंजन का निर्धारण में स्पष्टता है।
जैसे - अ, आ · · ·
- क, ख
रोमन :- A, B, C, · · E, · · · O

③ इसमें उच्चारण एवं लिखने में साम्यता है। प्रत्येक उच्चारण के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

लिए स्पष्ट चिह्नों का प्रयोग हुआ है।

जैसे- क्रम, क्रिया ...

रोमन ऐसा नहीं है

उदा. Honest

(4) यह लिपि सीखने में आसान है। इसमें एक अर्द्धवृत्त c, एवं ~~पूर्ण~~ खड़ी पाई '।' शब्दों का निर्माण हो जाता है।

(5) शिरोरेखा ~~सभी~~ शब्दों को स्पष्ट करती है।

उदा: राम विद्यालय जाता है

(6) यह लिपि स्थान कम घेरती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(7) देवनागरी लिपि की यह अधिक वैज्ञानिकता ही बाधा का काम करती है।

देवनागरी लिपि में ~~प्र~~ वैज्ञानिक लिपि में निम्न चुनौतियाँ है -

(1) प्रत्येक ~~ध्व~~ ध्वनि के लिए चिह्न का होना। यह लिपि में अधिक कठिनाई होती है।

(2) शिरोरेखा समय के कारण समय अधिक लगता है।

(3) कंप्यूटर के प्रयोग में रोमन भाषा अधिक बेहतर है।

समग्रत: हम कह सकते है यूनीकोड, भाषा प्रवीण जैसे अनुप्रयोगों ने देवनागरी लिपि को बेहतर लिपि बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) देवनागरी लिपि के नामकरण पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देवनागरी लिपि संस्कृत से हिन्दी तक क्रमिक विकास यात्रा तय की है।

देवनागरी लिपि का नामकरण :

1. देव शब्द के आधार : यह ~~भाषा~~ लिपि संस्कृत भाषा के लिए भी है। संस्कृत देव वाणी के रूप में स्वीकार्य है। पाटलीपुत्र के राजाओं ने भी देव की उपाधी ग्रहण की थी उनको भी आधार माना जाता है।

2. नागर शब्द के आधार : संस्कृत नगरों की भाषा है इसके आधार पर लिपि देवनागरी। गुजरात के नागर समुदाय के आधार पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भी देवनागरी नामकरण किया गया है

देवनगर शब्द को आधार मानकर :-

काशी देवनगर है उसको आधार मानकर देवनागरी भाषा का नामकरण किया है

समग्रत: किसी एक आधार पर देवनागरी भाषा के नामकरण का आधार नहीं माना जा सकता है अत: तीनों ही कारकों के कुछ प्रभाव ग्रहण करके देवनागरी लिपि का नामकरण किया जा सकता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) सूफी काव्यधारा में प्रयुक्त अवधी की भाषिक प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सूफी काव्य धारा मध्यकाल में प्रेमाश्रयी काव्य धारा थी। इसमें अवधी की मिठास बेहतरीन है

भाषिक प्रवृतियाँ :-

1. अवधी स्थानीय शब्दों को ग्रहण करती है। पद्मावत में दपंगरा शब्द अवध क्षेत्र की विशेषता को बताता है

2. अवधी भाषा की मिठास लोक के साथ है
जैसे- मानुस प्रेम भयउ बैकुंठी।"

3. अवधी भाषा लोक की विशेषताओं को धारण करती है

4. अवधी भाषा के माध्यम से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

हिंदू एवं मुस्लिम समन्वय का आधार बनती है।

समग्रतः अवधी भाषा सूफी काव्य के माध्यम से लोक जनमानस तक पहुँचती है। अवधी भाषा की श्रेष्ठता को साबित करती है। यह जायसी के यहाँ पद्मावत, आखरी कलाम एवं अखरावट में देखने को मिलती है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (क) भारत की भाषा-समस्या के संदर्भ में 'त्रिभाषा सूत्र' की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के समय हिन्दी भाषा राष्ट्र भाषा के रूप में स्थापित होती है। यह भाषा भारत को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

राष्ट्र नायक गांधी कहते हैं –"राष्ट्रभाषा के बिना देश गूंगा है।"

लेकिन आजादी के बाद राजभाषा के रूप में स्थान पाती है।

त्रिभाषा सूत्र से आशय है कि मातृभाषा, हिन्दी एवं अंग्रेजी का विद्यालय स्तर पर अध्ययन करवाना।

~~निम्न पूः~~

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

त्रिभाषा सूत्र निम्न प्रावधान है :-

① हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा तीसरी भाषा के रूप में दक्षिण भारत एवं उत्तर-पूर्व भारत की भाषाओं में से किसी एक भाषा का अध्ययन करना।

② जहाँ हिन्दी भाषा द्वितीय भाषा है वहाँ मातृभाषा (मराठी, गुजराती), हिन्दी एवं अंग्रेजी का अध्ययन करवाना।

③ दक्षिणी भारत एवं उत्तर-पूर्व के राज्यों में मातृभाषा, हिन्दी एवं अंग्रेजी के अध्ययन पर बल देना।

उपर्युक्त सूत्र का ईमानदारी के साथ प्रयोग नहीं हुआ है। इसमें स्थानीय राजनीतिक एवं भाषायी हितों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के कारण :-

① हिन्दी भाषी राज्यों तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत का अध्ययन करवाना।

② अन्य भाषायी ~~राज्य~~ राज्य भी हिन्दी के स्थान पर पास के राज्य की भाषा का अध्ययन करवाना।

इस सूत्र को नवोदय विद्यालयों में ही ईमानदारी के साथ लागू करवाया गया है।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि त्रिभाषा सूत्र भारत की भाषायी समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है यदि हम इसे संपूर्ण मनोयोग के साथ लागू करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'अपभ्रंश' की शब्दकोशीय प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपभ्रंश भाषा 9वीं से 11वीं शताब्दी के मध्य प्रचलन में आती है। इस भाषा की शब्दकोशीय प्रवृतियाँ संस्कृत भाषा के साथ विकृत रूप में स्वीकार होती है।

शब्दकोशीय प्रवृतियाँ :

① इसमें तत्सम शब्दों का तद्भवीकरण अधिक मात्रा में प्रचलन में आया है।

② इसमें विदेशी आक्रमण के कारण ~~उर्दू~~ फारसी शब्दों का भी प्रयोग हुआ।
जैसे - तहसील,

③ शब्दों का सरलीकरण की प्रवृति देखने को मिलती है।
उदा. → भ्रम → भरम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(4) इसमें महाप्राण ~~शब्दों~~ ध्वनियों के स्थान पर 'ह' ध्वनि का प्रयोग।

~~मेघ~~ मेघ - मेह

(5) इसमें दो लिंग, दो वचन जैसी प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती है।

< एकवचन
  बहुवचन

(6) इसमें 'ए' 'ऑ' स्वर अनुपस्थित मिलते है।

(7) संध्याक्षर का प्रयोग देखने को मिलता है।

समग्रतः संस्कृत से हिन्दी भाषा की यात्रा सरलीकरण पर आधारित है। इसमें क्रमिक रूप से अपभ्रंश एवं अवहट्ट के माध्यम से गुजरती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(ग) हिन्दी की लिंग-व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 15

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हिन्दी भाषा की लिंग व्यवस्था संस्कृत से हिन्दी तक की क्रमिक रूप से विकसित हुई है।

लिंग व्यवस्था :- हिन्दी भाषा में दो लिंग स्वीकार किये गये हैं।

1. स्त्रीलिंग
2. पुल्लिंग

① हिन्दी भाषा में लिंग परिवर्तन हेतु नौ प्रत्ययों का प्रयोग किया जाता है।
जैसे - आ, आनी, ई, इ आदि

देवर → देवरानी
नौकर → नौकरानी

② हिन्दी भाषा के लिंग निर्धारण में कुछ चुनौतियाँ भी देखने को मिलती है। इनके पदों के नाम मुख्य है।

उदा. - राष्ट्रपति
- प्रधानमंत्री

③ हिन्दी भाषा में लिंग ~~व्यवस्था~~ निर्धारण में प्रचलन को आधार बनाया है जिसमें कुछ समस्याएं हैं।

उदा. → कलम

समग्रत : भाषा का विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है जो निरंतर जारी रहती है। उसी प्रकार हिन्दी भाषा में लिंग निर्धारण की प्रक्रिया निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: **10 × 5 = 50**

(क) साहित्यिक अवधी की सीमाएँ

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अवधी भाषा मध्यकाल में सूफी काव्य धारा एवं राम काव्य धारा में कैरिक भाषा का दर्जा प्राप्त करती है यह तुलसी के यहाँ रामचरित मानस के माध्यम प्रत्येक घर तक ~~पहुँचते~~ पहुँचती है।

अवधी भाषा की सीमा :

(1) अवधी भाषा प्रबंध काव्य में अपनी श्रेष्ठता को सिद्ध करती है इसमें चंचलता के अभाव के कारण मुक्तक नहीं लिख पाते हैं।

(2) अवधी भाषा राम काव्य में मर्यादा एवं भक्ति के साथ है अतः रीति काल में शृंगार का निर्वाह नहीं कर पाती है

(3) अवधी भाषा गद्य को के विचारों के संप्रेषण में खड़ी बोली हिन्दी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अधिक प्रासंगिक है।

समग्रतः 1574 में तुलसी के यहाँ जो भाषा प्रत्येक घर की भाषा बनती है वही भाषा रीतिकाल में बोली के स्तर पर चली जाती है ~~भारतेन्दु~~ छायावाद में अवधी भाषा मुख्य धारा से अलग हो जाती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) राजभाषा हिंदी और देवनागरी अंक

हिंदी को संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के माध्यम से राजभाषा का दर्जा दिया गया है।

राजभाषा से आशय ऐसी भाषा से है जो सरकार के कामों में स्थान प्राप्त करें।

राजभाषा हिन्दी में अंको की समस्या का समाधान करने के लिए देवनागरी अंकों के स्थान पर रोमन के अंको को अपनाया गया है।

कारण :-

1. अंको की भिन्नता को समाप्त करना।
2. देवनागरी अंकों में स्पष्टता का अभाव।

३ – 3   ६ – 6

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. अंकों की मानकता के निर्धारण के माध्यम से सार्वभौमिकता को बढ़ावा दिया है।

अतः हम कह सकते हैं कि राजभाषा हिन्दी में अंकों की स्वीकार्यता को बढ़ाने के लिए अंग्रेजी के अंकों को ही स्वीकार किया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 19वीं शताब्दी में 'खड़ी बोली' के विकास में प्रेस की भूमिका

खड़ी बोली हिन्दी दिल्ली गुरुग्राम एवं मेरठ क्षेत्र की बोली है लेकिन यह 19वीं शताब्दी में गद्य के विकास में योगदान देकर राष्ट्र भाषा का स्थान ग्रहण करती है।

खड़ी बोली के विकास में प्रेस की भूमिका :-

(1) खड़ी बोली में राजा राम मोहन राय जैसे समाज सुधारकों ने प्रचार के लिए उपयोग किया।

(2) महात्मा गांधी ने अपने समाचार पत्र यंग इंडिया में खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग।

(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका में प्रयोग किया।

(4) खड़ी बोली हिन्दी कांग्रेस के प्रचार में भी महत्वपूर्ण रूप से

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रयोग हुआ है।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि खड़ी बोली हिन्दी के विकास में समाचार पत्रों ने आम जनता तक पहुँचने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) 'खड़ी बोली आन्दोलन' में अयोध्या प्रसाद खत्री की भूमिका।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(ङ) राजभाषा अधिनियम, 1963

राजभाषा अधिनियम, 1963 के माध्यम से अहिन्दी भाषी क्षेत्रों की ~~समस्याओं~~ चिंताओं को ध्यान में रखकर पारित किया गया है।

मुख्य प्रावधान :-

1. हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा का भी राजभाषा का भी प्रयोग होगा।
2. इस संदर्भ में 1965 की सीमा को हटा दिया।
3. त्रिभाषा सूत्र को लागू करना।
4. अहिन्दी भाषा राज्यों पर उनकी सहमति से ही हिन्दी भाषा को लागू किया जायेगा।

अतः हम कह सकते हैं कि राजभाषा अधिनियम, 1963 के माध्यम से भाषा विवाद

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

का अस्थाई समाधान ढूंढने का प्रयास किया है। इसके माध्यम से अंग्रेजी को आज तक राजभाषा बनी हुई है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

6. (क) देवनागरी लिपि के मानकीकरण के विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

देवनागरी लिपि में संस्कृत से लेकर वर्तमान समय में हिन्दी की अभिव्यक्ति की क्रमिक विकास यात्रा है।

देवनागरी लिपि में 300 से प्रतीक चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

इसके मानकीकरण के प्रयास :

1. सर्वप्रथम तिलक ने तिलक फॉंट विकसित किया। इसमें 300 प्रतीक चिह्नों को 190 में परिवर्तन किया।

2. सावरकर बंधुओं की 'अ' की बारह-खडी को प्रयोग करने के लिए कहा। अ, आ .. । इसे गांधी जी ने अपने पत्र यंग इंडिया में भी प्रयोग किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. डा. श्याम सुंदर ने मात्राओं को शब्दों के दाहिने तरफ प्रयोग के लिए ~~सुझाब~~ सुझाव दिया।

कुल → क ु ल

इसे अस्वीकार कर दिया।

4. ~~हिन्दी भाषा~~ देवनागरी लिपि के मानकीकरण हेतु गांधीजी ने इंदौर में अधिवेशन रखा।

5. आजादी के बाद डा. राधाकृष्णन को अध्यक्षता में एक आयोग का गठन।

6. सबसे अधिक प्रयास हिन्दी निदेशालय एवं भाषा आयोग ने किया। इसके सुझाव निम्न हैं :-

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(1) ~~हिन्द~~ लिपि में विसर्ग को ~~अ~~ राज भाषा के प्रयोग में से हटा दिया जाना चाहिए।

दुःख → दुख

(2) हलन्त के प्रयोग को टंकण में से हटा देना चाहिए।

जगत् → जग

(3) अंग्रेजी के अंकों को ही देवनागरी में स्वीकार करना चाहिए।

(4) शब्दों के मानक रूप स्वीकार किया गये।

जमुना → यमुना

~~(8)~~ (5) रेफ शब्दों को अस्वीकार किया।

रव → ख

(6) विदेशी शब्दों को प्रचलन के आधार पर ग्रहण किया जाये।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जैसे डॉक्टर, स्कूल

समग्रतः हम कह सकते हैं कि हिन्दी भाषा के मानकीकरण के प्रयास निरंतर चल रहे हैं। क्योंकि यह एक विकासित होती भाषा में निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। हिन्दी भाषा में भी विज्ञान, तकनीक के अनुसार निरंतर परिवर्तनशील है कि इसके कारण लिपि भी परिवर्तन का स्वरूप धारण करती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) व्यावसायिक शिक्षा के संदर्भ में हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के विकास पर प्रकाश डालिए। 15

वर्तमान समय की आवश्यकताओं को पूरा करने में व्यावसायिक शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। व्यावसायिक शिक्षा में विज्ञान, तकनीकी कौशल एवं बाजार का महत्वपूर्ण भूमिका है।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली :

(1) हिन्दी भाषा में पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद करना।

(2) हिन्दी भाषा में थोड़े बहुत परिवर्तनों के साथ विदेशी शब्दों को ग्रहण करना।

जैसे ~~ac~~ academy → अकादमी

(3) तकनीकी शब्दावली के लिए विदेशी शब्दों को ग्रहण करना एवं लिपि

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देवनागरी को स्वीकार करना।

जैसे - डॉक्टर

(5) पारिभाषिक शब्दों को ~~मानक~~ निर्धारण करना।

(6)

सरकार के द्वारा हिन्दी भाषा को बढ़ावा दिया जा रहा है हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रम को हिन्दी में भी उपलब्ध करवाया है।

समग्रत: हम कह सकते हैं कि हिन्दी भाषा में तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली का विकास करके हम 72%

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनसंख्या को मातृभाषा के माध्यम से तकनीकी लाभों से अवगत करवा सकते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) स्वाधीनता-आन्दोलन के दौर में राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास में महाराष्ट्र के योगदान पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रीय नेताओं ने हिन्दी को और हिन्दी भाषी क्षेत्रों में प्रचार को स्वाधीनता से जोड़ा था।

राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास में महाराष्ट्र का योगदान:-

(1) तिलक फ्रंट के माध्यम से लिपि का मानकीकरण। तिलक ने अपने भाषण, पत्र एवं पत्रिकाओं के माध्यम से प्रचार किया।

(2) सावरकर बंधुओं ने पत्रिकाओं के माध्यम से।

(3) आर्य समाज ने सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलन के माध्यम से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

प्रचार - प्रसार किया।

(4) काका कालेलकर ने हिन्दी को महाराष्ट्र के जनमानस तक पहुँचाया।

(5) मुंबई में राष्ट्रीय नेताओं का सम्मेलन। जैसे गोपाल गणेश अगरकर, गोखले आदि ने भी हिन्दी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समग्रत: हम कह सकते हैं राष्ट्रपिता गांधी से प्रेरित होकर सभी महाराष्ट्र के तत्कालीन नेताओं ने अपने पत्र, पत्रिकाओं आदि के माध्यम से राष्ट्र भाषा के प्रचार - प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हिन्दी के प्रचार-प्रसार को स्वाधीनता का महत्वपूर्ण कार्य समझते थे। महाराष्ट्र के नेताओं ने कांग्रेस पार्टी की गतिविधियों में भी हिन्दी के विकास को बल मिला।

अतः हम कह सकते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के दौरान महाराष्ट्र के नेता हिन्दी के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (क) 'पूर्वी हिंदी' और 'पश्चिमी हिंदी' की व्याकरणिक भिन्नताओं पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation